विधान सभा प्रश्न

विभाग का नामः	जल शक्ति विभाग
प्रश्न संख्या तारांकितः	5073
उत्तर की तिथिः	11.03.2022
विषयः	पानी की गुणवत्ता
प्रश्नकर्ता का नामः	श्री भवानी सिंह पठानिया (फतेहपुर)
संबंधित मंत्रीः	जल शक्ति मंत्री

प्रश्नः	उत्तरः
क्या जल शक्ति मन्त्री बतलाने की कृपा करेंगे कि (क) यह सत्य है कि जल शक्ति विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत पानी के कनेक्शन दिए जा रहे हैं;	**(क) (ख) व (ग)** सूचना सभा पटल पर रख दी गई है।
(ख) यदि हाँ, तो जल शक्ति विभाग ने पानी की गुणवत्ता और मात्रा की सस्टेनेबिलिटी के बारे में शोध कार्य किया है; और	
(ग) फतेहपुर के अन्तर्गत भूमिगत जल की मात्रा हेतु सर्वेक्षण करवाया गया है; यदि नहीं, तो सरकार इस कार्य को कब तक करवाने का विचाार रखती है; ब्यौरा दें ?	

तारांकित प्रश्न संख्या 5073, जोकि श्री भवानी सिंह पठानिया (फतेहपुर) द्वारा पूछा गया है, से संबंधित सूचना।

(क) जी हाँ,

(ख) पानी की गुणवत्ता और मात्रा की सस्टेनेबिलिटी को सुनिश्चित करने के लिए 59 पेयजल परीक्षण प्रयोगशलाएँ स्थापित की गई हैं, जिनमें सें 14 प्रयोगशलाएँ जिला स्तर की और 45 प्रयोगशालाएँ उप–मण्डल स्तर की हैं। इसके अलावा 9 नई प्रयोगशालाएँ स्थापित होने जा रही हैं, जिनमें से 1 प्रयोगशाला राज्य स्तर की और 8 प्रयोगशालाएँ उप–मण्डल स्तर की हैं। वर्तमान में 14 जिला स्तर और 27 उप–मण्डल स्तर की प्रयोगशालाओं को National Accreditation Board for testing and calibration Laboratories (NABL) से मान्यता प्राप्त है और 10 उप–मण्डल स्तर की प्रयोगशालाओं ने NABL मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन जमा कर दिया है। इन में से फतेहपुर मण्डल में भी एक उप–मण्डल स्तर की प्रयोगशाला स्थापित की गई है तथा इस प्रयोगशाला ने भी NABL से मान्यता प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

पानी की मात्रा की सस्टेनेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सभी ग्रामीण परिवारों को पेयजल कनेक्शन प्रदान करने के बाद सरकार का लक्ष्य इन घरों को सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति करने का है। इसके लिए Sensor आधारित तकनीक की सहायता से Real Time Basis पर पेयजल की गुणवत्ता उपलब्धता तथा आपूर्ति की सूचना उपलब्ध करवाई जाएगी।

प्रदेश की सभी प्रयोगशालाओं को जनता के लिए खोल दिया गया है ताकि उनके पानी के नमूने की जाँच नाममात्र की दरों पर हो सके। चालू वित्त वर्ष के दौरान जल परीक्षण प्रयोगशालाओं में 2,45,982 पानी के नमूनों का परीक्षण किया गया हैं। जिसमें से फतेहपुर विकास खण्ड में 6217 जल नमूनों का परीक्षण किया गया है।

इसके अलावा समुदाय द्वारा पानी की गुणवत्ता जानने के लिए प्रत्येक गांव में पांच महिला स्वंयसेवकों के समूह को फील्ड टेस्ट किट (FTK) वितरित किए जा रहे हैं। 37902 महिलाओं को फील्ड टेस्ट किट (FTK) का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित किया

गया है और फील्ड टेस्ट किट (FTK) का उपयोग करके 1,22,240 पानी के नमूनों का परीक्षण इस वित्त वर्ष में किया गया है।

(ग) गतिशील भू–जल संसाधन आकलन का अध्ययन केन्द्रीय भू–जल बोर्ड व भू–जल संगठन जल शक्ति विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जाता है। फतेहुपर क्षेत्र, नूरपुर तथा इन्दौरा घाटी मूल्यांकन इकाई का सर्वेक्षण वर्ष 2013, 2017 व 2020 में किया गया है। जिसकी रिपोर्ट के अनुसार नूरपुर इन्दौरा घाटी मूल्यांकन इकाई (Nurpur and Indora Valley Assessment Unit) में वार्षिक निकलने योग्य भू–जल उपलब्धता 34498.55 हैक्टेयर मीटर है और भू–जल विकास का चरण 29.27 प्रतिशत है।